

As India, Pak differ on Indus water pact, WB brings in experts

Washington: The World Bank has appointed a "neutral expert" and a chairman of the Court of Arbitration regarding the Kishenganga and Ratle hydroelectric power plants, in view of disagreements and differences between India and Pakistan over the 1960 Indus Water Treaty.

The World Bank said on Monday that it is confident that the highly qualified experts appointed as neutral expert and as members of the Court of Arbitration will engage in fair and careful consideration of their jurisdictional mandate, as they are empowered to do by the Treaty.

Michel Lino has been appointed as the neutral expert and Sean Murphy has been appointed as chairman of the Court of Arbitration. They will carry out their duties in their individual capacity as subject matter experts, the World Bank said in a statement.

There was no immediate reaction from India to the appointments.

India and Pakistan signed the treaty in 1960 after nine years of negotiations, with World Bank being a signatory. The treaty sets out a mechanism for cooperation and information exchange between the two countries regarding their use of the rivers. However, India and Pakistan disagree over whether the technical design features of Kishenganga and Ratle hydroelectric power plants contravene the Treaty.

Pakistan asked the World Bank to facilitate the establishment of a Court of Arbitration, while India asked for the appointment of a neutral expert, the statement said. AGENCIES

The Hindu- 19- September-2022

Meghalaya panel prepares plan to restore waterbodies

The Hindu Bureau
GUWAHATI

An expert committee will soon submit an action plan for the restoration of polluted waterbodies in Meghalaya.

The Meghalaya government had set up the 10-member expert panel on the protection and restoration of the State's waterbodies on June 23, following an order of the High Court of Meghalaya.

The committee is headed by the State's Principal Chief Conservator of Forest, B.K. Lyngwa. "We are in the process of formulating the action plan for submitting to the government soon," he said after a meeting of the committee a few days ago.

Members of the panel

Districts asked to rectify the number of waterbodies in lists submitted to the panel earlier

said the authorities of each district had prepared a list of waterbodies before the committee was formed. However, the total of 10,201 waterbodies identified across the State was found to be erroneous. The "distorted figures" were attributed to fish ponds being counted.

The expert committee had asked the districts to submit a new list barring 53 wetlands under the State Wetland Authority and seven rivers under the River Rejuvenation Committee (RRC).

The Tribune- 19- September-2022

WB 'neutral expert' to resolve India-Pak water-sharing row

NEW DELHI, OCTOBER 18

The World Bank has appointed a "neutral expert" (NE) and a Chairman of the Court of Arbitration regarding the Kishenganga and Rattle power plants due to differences between India and Pakistan over the 1960 Indus Water Treaty.

Pakistan had asked the World Bank to facilitate the establishment of a Court of Arbitration to consider its concerns about the designs of the two projects. Michel Lino has been appointed as the NE and Sean Murphy has been appointed as Chairman of the Court of Arbitration. — TNS

KCR DISCUSSES CENTRAL GRANTS ISSUE WITH CS

DC CORRESPONDENT

HYDERABAD, OCT. 18

Chief Minister K.Chandrashekar Rao, who is camping in New Delhi since Tuesday last, held a series of review meetings with Chief Secretary Somesh Kumar and senior officials of irrigation, finance, and municipal administration departments.

The CS along with special chief secretary MAUD Arvind Kumar, irrigation special chief secretary Rajat Kumar and other senior officials left for the national capital on Monday.

Official sources said the CM reviewed mobilisation of financial resources in the wake of Centre imposing restrictions on the state government's loans obtained through market borrowings and off-budget borrowings.

The CM also reviewed pending arrears and grants from the Centre and the measures to be taken to secure these arrears and grants amounting to nearly ₹32,000 crore.

The CM reportedly reviewed the issue of the Central Water Commission (CWC) raising queries on revised DPR of the Kaleshwaram lift irrigation project. Officials informed the CM that the CWC has raised 11 questions and discussed the replies to be submitted by the state government.

● **THE CM** also reviewed pending arrears and grants from Centre and measures to be taken to secure these arrears and grants amounting to nearly ₹32,000 crore.

Millenium Post- 19- September-2022

HWRA reviews action plan to reduce water gap

CHANDIGARH: Haryana Water Resources Authority (HWRA), Chairperson, Keshni Anand Arora held a meeting with Superintending Engineers, Irrigation and Water Resources Department (I&WRD) to review the progress of the Districts Water Resources Plan 2022-25 being prepared by all the 22 Districts as per the HWRA Act.

During the meeting she also reviews a three-year action plan in order to reduce the water gap by 45 percent in three years that is 10 percent in the first year, 15 percent in second year, and 20 percent in the third year in water depleted as well as water-logged areas.

Keshni Anand Arora lauded the efforts made by the District Administration of Yamunanagar and Ambala which are leading in their efforts. Besides this, she also directed the other districts to put in more effort and resubmit a comprehensive plan.

During the meeting, the districts were directed to formulate an integrated and holistic three-year village-level water action plan and should incorporate sustainable use of surface water and groundwater and enhanced use of Treated Waste Water for non-potable purposes to reduce dependency on freshwater resources.

MPOST

भारत-पाक जल विवाद में मध्यस्थता के लिए आगे आया विश्व बैंक

वाशिंगटन, प्रेटर: भारत-पाकिस्तान के बीच जल विवाद में मध्यस्थता के लिए विश्व बैंक आगे आया है। विश्व बैंक ने 1960 की सिंधु जल संधि को लेकर भारत व पाक के बीच असहमति और मतभेदों को देखते हुए किशनगंगा और रातले जलविद्युत संयंत्रों के संबंध में मध्यस्थता न्यायालय के एक अध्यक्ष और एक 'तटस्थ

विशेषज्ञ' को नियुक्त किया है। विश्व बैंक ने नियुक्तियों की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि उसे भरोसा है कि तटस्थ विशेषज्ञ और मध्यस्थता न्यायालय के सदस्यों के रूप में नियुक्त अत्यधिक योग्य विशेषज्ञ संधि के तहत मिले अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले आदेश पर निष्पक्ष और सावधानीपूर्वक विचार करेंगे।

Pioneer- 19- September-2022

गंगा की निर्मलता को लेकर गंगादूत का प्रशिक्षण संचालित

संवाददाता । लालगंज रायबरेली

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नमामि गंगे परियोजना की संकल्पना को साकार करने एवं आम जन मानस में गंगा के प्रति सामाजिक समरसता को बनाए हेतु युवाओं का संवेदीकरण कर माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरोधता को बनाए रखने हेतु दो दिवसीय गंगा दूत का प्रशिक्षण विकास खण्ड सरेनी क्षेत्र के राम गंगा महाविद्यालय में शुभारम्भ जिला परियोजना अधिकारी संजय कुमार जिला युवा अधिकारी गोपेश पाण्डेय की उपस्थिति में किया गया। जिला युवा अधिकारी द्वारा गंगा की महत्ता एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन की अवधारणा से युवाओं को आकर्षित कर गंगा के जलीय जीवों व उसकी जीविका एवं गंगा में निहित जीवों के लाभकारी गुणों से अवगत कराया गया। जिला परियोजना अधिकारी द्वारा परियोजना की सफलता एवं उसकी उपलब्धियों के बारे में जागरूक करते हुए माँ गंगा के जल को अमृतोपम बनाने हेतु संवेदीकरण कर प्राकृत सुविधाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी अपनाने हेतु युवाओं को संबोधित किया गया। चूंकि प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य माँ गंगा के आंचल को उज्ज्वल, निर्मल धवल एवं आचमन योग्य बनाने का रहा। प्रशिक्षण हेतु आए भूगोल वेत्ता डॉ महादेव सिंह द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा किनारे रह रहे जीवों के प्रति



अपनी जानकारी प्रस्तुत की गयी एवं किनारे बसे लोगों को उसकी उपलब्धियां व लाभकारी भरे तथ्यों को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया गया। आलोक प्रताप सिंह द्वारा युवाओं को नुकड़ विधा, मञ्चन एवं युवाओं के क्लब का सक्रियकरण व गठन के बारे में बताये गये। रज्जन मौर्य द्वारा युवा प्रतिभागियों को खेल के माध्यम से परिस्थितिक तंत्र को संजोने हेतु परियोजना में नियोजित गतिविधियों का नाट्य रूपांतरण के तरीके व जल एवं पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया। स्मिता सिंह द्वारा लोगों को अपनी संस्कृति परम्परा द्वारा समाज में गंगा के महत्व एवं प्राकृतिक संपदा को

संजोने हेतु अपने विचार व्यक्त किए गए। प्रशिक्षण उपरान्त सभी उत्साही युवा प्रतिभागियों के मध्य स्वच्छ भारत अभियान 2.0 की सफलता हेतु सभी के साथ स्वच्छता अभियान चलाया ताकि हम अपने आसपास के वातावरण को रोगमुक्त एवं स्वच्छ बनाने हेतु अभियान चलाया गया। प्रशिक्षण की व्यवस्था को परिपूर्ण कर रहे राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक रिचा मिश्रा, शिवा सिंह व आलोक कुमार द्वारा सभी प्रशिक्षार्थी को उनकी सामूहिक प्रस्तुतीकरण कराया गया। ऐसे सुअवसर पर शिवानी, सत्या, आराधना राहुल, उदय भान, दिव्यांशी पाण्डेय, रामरतन जैसे युवाओं प्रशिक्षणार्थियों का अहम योगदान रहा।



यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

उफ ये बारिश

अक्तूबर का महीना और बारिश ऐसे हुई, जैसे बादल जून-जुलाई में रास्ता भूल गए थे। अब उन्हें याद आया कि अरे जहां जाना था, वहां के लिए तो देर हो गई। चलो-चलो जल्दी चलो, उधर ही चलो। वहां के लोग तो अभी तक हमारा इंतजार कर रहे होंगे और वे उत्तर भारत तक मैराथन सी दौड़ लगाते आ पहुंचे। किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। पेड़-पौधे, घर दीवारें, नदी नाले सब जगह धूम-धड़ाके से

हैं, तब किसे अनुमान था कि ऐसी बारिश होगी। कहां तो सब दिवाली की तैयारी में घरों में साफ-सफाई, पुताई करवा रहे हैं। सारे गरम कपड़ों को धोकर सुखाया जा रहा है। रजाई-कम्बलों को धूप दिखाई जा रही थी लेकिन बारिश ने जैसे सब कामों पर ब्रेक लगा दिया।

अरसे से वैज्ञानिक बता रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण दुनिया का चक्र बदल रहा है। त्रस्तुएं बदल रही हैं।



हर तरफ पानी ही पानी।
गुडगांव, फरीदाबाद, दिल्ली,
यहां तक कि मथुरा और
आगरा तक भी ऐसी धुआंधार
बरसात कि लोग मनाने लगे
कि भाई बहुत हो गया, अब तो
रुक जाओ, फिर बरस लेना।
कई-कई किलोमीटर्स तक
कारों, बसों, दुपहियों का जाम
और घर पहुंचने का घंटों का
इंतजार करना पड़ा

बरसे। हर तरफ पानी ही पानी। गुडगांव, फरीदाबाद, दिल्ली, यहां तक कि मथुरा और आगरा तक भी ऐसी धुआंधार बरसात कि लोग मनाने लगे कि भाई बहुत हो गया, अब तो रुक जाओ, फिर बरस लेना। कई-कई किलोमीटर्स तक कारों, बसों, दुपहियों का जाम और घर पहुंचने का घंटों का इंतजार। पानी में नाव की तरह तैरती कारें और मोटर साइकिलों के डरावने दृश्य। चारों तरफ कीचड़, पानी का भराव, ठंड की आहट, घर में सीलन, कपड़ों का न सूखना, करंट का डर। अखबारों का गीला होकर आना, प्रैस वाले की छुट्टी, क्योंकि वह जहां प्रैस करता है, वहां भीगने से नहीं बचा जा सकता। घर से बाहर न निकल पाने की मुसीबत। सब्जी, फलों के दाम आसमान पर। स्कूलों की तरफ भागते-दौड़ते बच्चे। नौकरी पर जाने के लिए भी सड़क पर ऐसी ही दौड़-भाग। ऐसे में बत्ती भी गुल। जब ऐसा होता है तो अपने गांव के दिनों में लौट जाती हूं।

जब भी बारिश होती है, ऐसी ही तस्वीरें सामने आती हैं। उससे पहले सभी को लगता है कि सब ठीक है। फिर एक-दूसरे को कोसने का मौका मिलता है। लगे हाथ सत्ता पक्ष को सुनाने का अवसर भी मिल जाता है कि पहले ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ। हालांकि यह भी सच है कि जब दिवाली आ रही है, और न जाने कौन-कौन से व्रत-उत्सव आसपास

यहां तक कि चिड़ियों के सोने जागने का क्रम भी बदल रहा है। फसलों की बुवाई का समय जो सदियों से एक जैसा रहा है, उसमें भी व्यवधान पड़ रहा है। पहाड़ों की बर्फ और ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं। यहां तक कि अंटार्कटिका के बारे

में कहा जा रहा है कि अगर धरती का तापमान इसी तरह से बढ़ता रहा तो एक दिन ऐसा आएगा कि वहां बर्फ ही नहीं दिखेगी। बल्कि कहा यह भी जा रहा है कि लाखों वर्षों से जो वायरस वहां से पड़े हैं, बर्फ पिघलने के कारण अगर वे एक्टिव हो गए तो जाने धरती पर कितना कहर ढाएंगे। सोचिए कि चार दिन की बे-मौसम बरसात से हम इतने परेशान हो गए तो अगर मौसम की धोखेबाजी ऐसी ही चलती रहे तो क्या होगा। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के जो कारण बताए जाते हैं, उन पर दो-चार दिन बहस करके, कोई सम्मेलन आयोजित करके इतिश्री मान ली जाती है। खैर, ये सब बातें तो होती रहेंगी, बारिश पर फिर से लौटें। बारिश हो और पूरी, पकवान, पकौड़े न हों तो क्या फायदा। इसलिए इनका आनंद भी उठ रही हूं। साथ में मेरे दोस्त कउए, तोते, चिड़ियां, कुत्ता, बिल्ली वे भी तरह-तरह के व्यंजनों का स्वाद लेकर मौज कर रहे हैं। अपनी मां की कहावत कहूं तो बदरा जब बरस जाएं, तभी धन्य भाग।